Political Culture: Definition and Nature

राजनीति संस्कृति एक समाजशास्त्रीय शब्द है जिसमें अनेक अवधारणाएँ सम्मिलित हैं जैसे, राजनीतिक विचारवाद, राष्ट्रीय लोकाचार और भावना, राष्ट्रीय मनोविज्ञान तथा जनता के आधारभूत नैतिक मूल्य आदि। आमण्ड तथा पॉवेल ने राजनीति संस्कृति का सर्वप्रथम प्रयोग विकासशील देशों के अध्ययन में किया। उन्हीं के अनुसार, "राजनीतिक संस्कृति किसी राजव्यवस्था के सदस्यों में राजनीति के प्रति व्यक्तिगत अभिवृत्तियों और दिशानिर्देशों का नमूना है।" सीडनी वर्बा ने राजनीतिक संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इसकी व्यापक परिभाषा दी है। उसी के अनुसार, "राजनीतिक संस्कृति में अनुभविक विश्वासों, अभिव्यक्तात्मक प्रतीकों और मूल्यों की वह व्यवस्था निहित है जो उस परिस्थिति अथवा देश को परिभाषित करती है जिसमें राजनीतिक क्रिया सम्पन्न होती है।"

(Lucian W. Pye) लुसियन पाई ने राजनीतिक संस्कृति विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा है कि "राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा बताती है कि किसी समाज की परम्पराएँ उसकी सार्वजनिक संस्थाओं की आत्मा, उसके नागरिकों की आकांक्षाएँ और उनका राजनीतिक विवेक तथा उसके नेताओं के तरीके और सक्रिय होने के नियम, आदि केवल ऐतिहासिक अनुभव की ऊटपटाँग उपज नहीं है, वरन् ये सब एक अर्थपूर्ण राजपूर्ण व्यवस्था के अंग है और सरकारों का एक बोधगम्य तथा स्पष्ट ताना-बाना उपस्थित करते है। राजनीति संस्कृति व्यक्ति के लिए प्रभावशाली राजनीतिक व्यवहार की दिशा में मार्ग निर्देशन करती है और समाज के लिए वह उन मूल्यों तथा विवेकपूर्ण विचारों को व्यवस्थित रूप रचना प्रदान करती है जो कि संस्थाओं और संगठनों के कार्यकलापों में मेल या संगति बैठाते है।

लुसियन पाई ने इसे स्पष्ट करते हुए आगे कहा कि राजनीतिक संस्कृति एक

Officer
Scanned with CamScanner

राजनीतिक व्यवस्था के सामूहिक इतिहास की उपज है और उन व्यक्तियों की व्यक्तिगत जीवन गाथाओं की उपज है जिन्होंने हाल ही में इस व्यवस्था को बनाया है। इस प्रकार राजनीतिक संस्कृति की जड़ सार्वजनिक घटनाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में समान रूप से निहित है।

स्पष्ट है कि राजनीतिक संस्कृति सामान्य संस्कृति का एक अंग है और एक व्यक्ति अथवा सम्पूर्ण समाज के राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जो आग्रह होते हैं, उन्हें ही सामूहिक रूप से राजनीतिक संस्कृति का नाम दिया जा सकता है। राजनीतिक संस्कृति जहाँ एक सीमा तक समाज की ऐतिहासिक विरासत होती है तो कुछ सीमा तक दूसरी ओर राजनीतिक दलों, दबाव समूहों तथा अनेक राजनीतिक तथा गैर राजनीतिक तत्वों से प्रभावित होती है।

राजनीतिक संस्कृति के प्रकृति एवं व्याख्या को निम्न रूप में देख सकते हैं:

1. राजनीतिक संस्कृति एक अमूर्त नैतिक धारणा— राजनीतिक संस्कृति का मूल आधार व्यक्ति और समाज के राजनीतिक मूल्य एवं विश्वास होते हैं। ये मूल्य एवं विश्वास सामान्य नैतिक धारणाओं के अंग होते हैं और इन्हें अन्य भौतिक तत्वों की भाँति कोई मूर्त स्वरूप प्राप्त नहीं होता है। इन्हें तो केवल सोचा और अनुभव ही किया जा सकता है।

2. राजनीतिक संस्कृति, अनेक तत्वों का सामूहिक और समन्वित रूप — राजनीतिक संस्कृति सामान्य संस्कृति का एक अंग है और सामान्य संस्कृति के ही समान अनेक तत्वों का सामूहिक और समन्वित रूप है। ऐतिहासिक विरासत, भौगोलिक परिस्थितियाँ, समाज की सामान्य संस्कृति, विचारधाराएँ, राजनीतिक व्यवस्था और इन सबके अतिरिक्त सामाजिक आर्थिक संरचना, आदि के द्वारा राजनीतिक संस्कृति के आधार के रूप में कार्य किया जाता है।

3. राजनीतिक संस्कृति में गतिशीलता - राजनीतिक संस्कृति जहाँ एक ओर ऐतिहासिक विरासत तथा भौगोलिक परिस्थितियों से प्रभावित होती है तो दूसरी ओर सामाजिक - आर्थिक संरचना के द्वारा इसको निर्धारित किया जाता है। सामाजिक आर्थिक संरचना और राजनीतिक संस्कृति के तत्व स्थिर नहीं, वरन् ~~परिवर्तनशील~~ निरन्तर गतिशील होते हैं। इस दृष्टि से सभी राजनीतिक संस्कृतियाँ आवश्यक रूप से गतिशील होती हैं, इनमें से कुछ मन्द परिवर्तनशीलता और कुछ तीव्र परिवर्तनशीलता की स्थिति को अपनाती हैं।

राजनीतिक संस्कृति और सामान्य संस्कृति में घनिष्ठ सम्बन्ध है और दोनों एक दूसरे को कम या अधिक मात्रा में प्रभावित करती रहती हैं। सामान्य संस्कृति व्यापक अवधारणा है जबकि राजनीतिक संस्कृति अपेक्षाकृत सीमित अवधारणा है। प्रथम में व्यक्ति की सम्पूर्ण मूल्य व्यवस्था, आस्थाएँ और विश्वास सम्मिलित होते हैं, जबकि दूसरी में व्यक्ति के केवल राजनीतिक क्रिया से या राजनीतिक सम्बन्धित मूल्यों, आस्थाएँ और विश्वास आते हैं। जिस प्रकार राजनीतिक व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था की एक विशेष उप-व्यवस्था है, ठीक उसी प्रकार राजनीतिक संस्कृति, संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। इन दोनों में पारस्परिकता है किन्तु इस पारस्परिकता का कोई निश्चित परिमाण नहीं होता है और हमारे द्वारा इस पारस्परिकता के साथ-साथ इन दोनों की विश्लेषणात्मक पृथकता को भी दृष्टि में रखा जाना चाहिए। राजनीतिक संस्कृति और सामान्य संस्कृति परस्पर घनिष्ठ होते हुए भी पूर्णतया एक समान नहीं हैं और अनेक परिस्थितियाँ ऐसी हो सकती हैं जिसमें राजनीतिक अन्तः-क्रियाओं से सम्बन्धित मूल्यों में असमानताएँ हों। निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते हैं कि राजनीतिक संस्कृति सामान्य संस्कृति का अभिन्न अंग होते हुए भी उससे बहुत कुछ स्वायत्तता रखती है।

Scanned with CamScanner